THE STANFORD JOURNAL
AN INTERNATIONAL JOURNAL
THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH)
Volume–I, Issues– 2 October -December: 2024

# जवाहर नवोदय विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के समायोजन का अध्ययन

**मन्जू चन्देला**
शोधार्थीनी
मदरहुड यूनिवर्सिटी

**डा0 बबीता सिंह**
प्रोफेसर
मदरहुड यूनिवर्सिटी

**सारांश**

***परिवारों की तरह ही विद्यालय भी जटिल होते हैं व इनका पर्यावरण निरंतर परिवर्तित होता रहता है। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए स्थापित किए गये है। इन विद्यालयों को गति- निर्धारक विद्यालय कहा गया है। दैनिक जीवन में मनुष्य अपनी आवश्यकता की पूर्ति समायोजन की प्रक्रिया के द्वारा करता है। ये विद्यालय विशेष प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में सहायक हैं। प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य आवासीय विद्यालय विद्यार्थी और समायोजन का अध्ययन करना है। प्रस्तुत शोध द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय में होने वाली गति-निर्धारक गतिविधियों के अंतर्गत विद्यार्थियों में समायोजन क्षमता को विकसित करने का अध्ययन किया गया है। नवोदय विद्यालय कक्षा 6 से 12 तक की शिक्षा प्रदान करता है। शोध में कक्षा 9 एवं 10 के विद्यार्थियों के विचारों को जाना गया और अध्ययन किया गया । समायोजन का अध्ययन विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और भविष्य की आकांक्षाओं में सहायक है।***

**मुख्य शब्दः** *जवाहर नवोदय विद्यालय, आवासीय, गतिविधियाँ, समायोजन, सामंजस्य*

**परिचय**

शिक्षा बालक की अभिलाषाएं पूरी करने का एक माध्यम है। शिक्षा का अवसर सभी को समान प्रकार से मिलना चाहिए परंतु समाज का एक वर्ग जो सभी संसाधनों से परिपूर्ण है, शिक्षा प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं महसूस करता। परंतु एक वर्ग जो गरीब है, जिसके पास संसाधनों की कमी है वह शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ रह जाता है। आय की असमानता के कारण शिक्षा में भी समान अवसर प्राप्त नहीं हो पाते हैं। वंचित वर्ग भविष्य में कौशलों के अभाव के कारण उच्च आय और संसाधन जुटा सकने में असमर्थ रह जाता है। भारत की शिक्षा नीति, शिक्षा समानता को बढ़ावा देने के लिए कार्य

THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH)
Volume–I, Issues– 2 October -December: 2024

करती है। शिक्षा नीति शिक्षा में अधिक व्यापक रूप लाने के लिये ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँच बढ़ा रही है। इसी प्रकार से जवाहर नवोदय विद्यालय एक कार्यक्रम है जो शिक्षा में समानता और गुणवत्ता दोनों को ही ध्यान में रखकर शुरू किया गया है। प्रत्येक विद्यालय पद्धति में अनेक व्यक्ति एवं बल समाहित होते हैं, जैसे विद्यार्थी अध्यापक, परामर्शदाता, पाठ्यचर्या, विशेषज्ञ, प्राचार्य, समितियाँ एवं अन्य पर्यवेक्षक इत्यादि। यदि व्यक्ति इन सभी पहलुओं से सामंजस्यपूर्ण संबंध स्थापित करता है तब वह समायोजित कहलाता है। सामान्य प्रकार के आवासीय विद्यालयों में जहाँ बालक-बालिकाओं का समायोजन स्तर पिछड़ जाता है वहीं जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों में समायोजन क्षमता को विशेष प्रकार से विकसित किया जाता है। परंतु भुवन चंद्र कुनियाल (2018) द्वारा शोध से ज्ञात होता है कि नवोदय विद्यालय के छात्रों में समायोजन स्तर औसत है तथा इसके कारण जानने और इसमें सुधार करने की आवश्यकता है।

**अध्ययन का उद्देश्य**

जवाहर नवोदय विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के समायोजन का अध्ययन करना।

**क्रियाविधि**

शोधार्थीनी द्वारा अध्ययन के लिए विषयवस्तु विश्लेषण विधि को अपनाया गया है। शोधार्थीनी ने अध्ययन के लिए डेटा के द्वितीयक स्रोतों से मदद ली है। स्रोत शोध-लेख, किताबें, वेबसाइट, समाचार-पत्र इत्यादि हैं।

**परिचय-जवाहर नवोदय विद्यालय**

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय केंद्र सरकार की एक प्रणाली है जिसके द्वारा सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े बालक-बालिकाओं की शिक्षा व्यवस्था की गयी है। इन छात्रों को सामाजिक और ग्रामीण वंचितताओं के कारण शिक्षा नहीं मिल पाती हैं जिस कारण केंद्र सरकार द्वारा यह विद्यालयी शिक्षा प्रणाली का गठन किया गया। जवाहर नवोदय विद्यालय स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, जो पूर्व में मानव संसाधन विकास मंत्रालय था, के तहत स्वायत्त संगठन है। सभी स्कूल 'केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड' से संबद्ध हैं। यह पूरी तरह से आवासीय सह-शैक्षणिक विद्यालय हैं। यहाँ कक्षा 6 से

THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH)
Volume–I, Issues– 2 October -December: 2024

12वीं तक की शिक्षा व्यवस्था है। वर्ष 1986 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गाँधी द्वारा पूरे भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की घोषणा की गयी। 'शिक्षा नीति 1986' में भारत के प्रत्येक जिले में आवासीय विद्यालयों की अवधारणा प्रस्तुत की गई। विशेषकर ग्रामीण आबादी को शिक्षा प्रदान करने के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय की स्थापना की गई। इन विद्यालयों को विशेषतौर पर शहरी शोरगुल से दूर शांत वातावरण में स्थापित किया जाना सुनिश्चित किया गया था, जिस कारण लगभग सभी विद्यालय शहर से दूर शांत वातावरण में स्थापित किये गए हैं।

**संरचना**

जवाहर नवोदय विद्यालय कमजोर वर्ग के शैक्षिक रूप से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए स्थापित किए गये हैं ताकि उन्हें गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मिल सके और वे अपनी शैक्षिक प्रतिभा को और अधिक बढ़ाकर आगे बढ़ सकें। जवाहर नवोदय विद्यालयों में प्रवेश मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को दिया जाता है।

ग्रामीण बच्चों के लिए 75 प्रतिशत सीटें उपलब्ध हैं। एससी और एसटी समुदाय के बच्चों के लिए उनकी आबादी के अनुपात में सीटें आरक्षित हैं। 1/3 सीटें छात्राओं के लिए आरक्षित हैं। 3 प्रतिशत सीटें विकलांग बच्चों के लिए हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए, कक्षा 5 के विद्यार्थियों के लिये प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। प्रत्येक जिले से 80 छात्रों का चयन किया जाता है। वर्तमान में भारत में लगभग 661 ज0न0वि0 स्थापित हैं।

**जवाहर नवोदय विद्यालय एवं समायोजन**

आवासीय विद्यालय में जहाँ बालक का पुरा समय विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करते हुए बीतता है वहाँ बालक को कई प्रकार से समायोजन करना पड़ता है। जिसमें संवेगात्मक समायोजन, समाजिक समायोजन, पारिवारिक समायोजन एवं स्वास्थ्य संबंधित समायोजन को देखा जा सकता है। संवेगात्मक समायोजन द्वारा किशोर बालक के संवेगों में उतार-चढ़ाव के अंतर्गत समायोजित हो जाना और समायोजन में कठिनाई दोनों का अध्ययन किया जाता है। परिवार से दूर विद्यालय आवास में बालक को पूर्ण रूप से पारिवारिक माहौल नहीं मिलता है। पारिवारिक समायोजन के अध्ययन द्वारा बालक के पारिवारिक

THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH)
Volume–I, Issues– 2 October -December: 2024

मूल्यों, धारणा एवं गतिविधियों के संबंध में समझ, विचारधारा का अध्ययन किया जा सकता है। सामाजिक समायोजन द्वारा बालक के समाजीकरण के द्वारा कक्षा के अंदर व बाहरी वातावरण के साथ समायोजन का अध्ययन किया जा सकता है। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव को लेकर बालक के विद्यालयी परिवेश में रहते हुए समायोजन का अध्ययन किया जा सकता है।और उसका प्रभाव शैक्षिक गतिविधि में देखा जा सकता है। स्वस्थ एवं अस्वस्थ विद्यार्थी के मध्य समायोजन के अंतर को देखा जा सकता है।

जवाहर नवोदय विद्यालय की मुख्य विशेषता गति-निर्धारिक गतिविधियाँ हैं। गति-निर्धारिक गतिविधियों के माध्यम से छात्र-छात्राओं में नेतृत्व के गुणों और शैक्षिक चिंताएं विकसित की जाती हैं। समुदाय और राष्ट्र से जुड़ें विषयों को गति-निर्धारिक गतिविधियों द्वारा विकसित किया जाता है। नेतृत्व कि भावनाओं गुण एवं शैक्षिक चिंतायें विषय समुदाय और राष्ट्र से जुड़ी हुई होती हैं। गति- निर्धारिक गतिविधियों के तहत विद्यालय के छात्र-छात्राएं आसपास के विद्यालयों तथा क्षेत्रों में अनेक प्रकार की गतिविधियों करते हैं जिसमें नाटक, संगीत, लोक-वाद्य यंत्रों का प्रयोग एवं उन्हें जानना, मुख्य दिवसों को मनाना एवं अन्य प्रकार की गतिविधियों की जाती हैं। यह सभी गतिविधियाँ बालकों द्वारा विद्यालय से बाहर जाकर अन्य विद्यालयों में की जाती है। समायोजन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा जीव अपनी आवश्यकताओं और इन आवश्यकताओं की पूर्ति को प्रभावित करने वाली परिस्थितियों में संतुलन रखता है। इन गतिविधियों द्वारा बालकों में समायोजन की क्षमता बढ़ जाती है। डॉ0 प्रो0 निशी अग्रवाल(2016) के अध्ययन द्वारा ज0न0वि0 के छात्र-छात्राओं में समायोजन एवं संवेगात्मक समायोजन सामान्य से अधिक पाया गया तथा विद्यार्थियों में विद्यालयी और बाहरी समायोजन में आने वाली समस्याओं में कमी देखी गई।

**देहरादून स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय एवं समायोजन**

उत्तराखंड के सभी जिलों में एक जवाहर नवोदय विद्यालय की स्थापना की गई है । जवाहर नवोदय विद्यालय, देहरादून में स्थित एक उत्कृष्ट शिक्षा का केंद्र हैं। यहाँ कक्षा 6 से 12 तक की शिक्षा व्यवस्था है। यहाँ पढ़ने वाले कुल छात्र-छात्राओं कि संख्या लगभग 439 है। यह विद्यालय पूरी तरह से आवासीय विद्यालय है। जवाहर नवोदय विद्यालय में

THE STANFORD JOURNAL ISSN: 3048-8923
(AN INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH)
Volume–I, Issues– 2 October -December: 2024

उच्च गुणवत्ता से परिपूर्ण सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध है, जहाँ पुस्तकालय में हजारों पाठ्य - पुस्तकें हैं वहीं कक्षा का रूप तकनीकी से परिपूर्ण भी है। विद्यालय में छात्र-छात्राओं दोनों द्वारा सभी प्रकार की गतिविधियों में भाग लिया जाता है। बाहरी गतिविधियों में भाग लेने के कारण विद्यार्थियों के समाजिक समायोजन स्तर में कमी नहीं देखी गई। आवासीय विद्यालय में रहते हुए भी विद्यार्थी बाहरी वातावरण से आसानी से समायोजित हो जाते हैं, जिसका कारण विभिन्न गतिविधियाँ हो सकती हैं। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव उसकी शैक्षिक गतिविधि में पड़ता है। विद्यार्थियों से बातचीत के माध्यम से ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों में पारिवारिक मूल्यों के विषय में अच्छी समझ है।

**निष्कर्ष**

प्रस्तुत शोध द्वारा यह ज्ञात होता है कि जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्र-छात्रा विद्यालय और विद्यालयों से बाहर विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। यह गतिविधियाँ उनके विभिन्न कौशलों का विकास करने में सहायक है। विद्यालय के भीतर तथा बाहर दोनों ही जगहों में समायोजन स्तर उच्च पाया गया है। बालकों एवं बालिकाओं में समायोजन स्तर में भिन्नता नहीं देखी गयी। शोध द्वारा ज्ञात होता है कि आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों में सामाजिक, पारिवारिक समायोजन उच्च एवं अन्य विषयों से संबंधित समायोजन सामान्य है। विद्यार्थी शैक्षिक रूप में कुशल हैं जिस कारण से विशिष्ट प्रतिभाशाली विद्यार्थी कहलाते हैं।

**सन्दर्भ ग्रन्थ सूची**

1. अग्रवाल निशी(2016) "जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्रों में समायोजन International Journal Of Education And Science Research. Vol-3, Issue-3, E-ISSN 2348-6457, P-ISSN 2348-1817.

2. Kuniyal Chandra Bhuwan(2018) "A comparative study of adjustment level and achievement level of students studying in government residential school." International Journal Of Advance Research, Ideas And Innovations In Technology. ISSN:2454-132X, Vol-4, Issue-6.

3. www.navodaya.gov.in

4. लाल, रमन बिहारी, 'भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्यायें'।

5. सिंह, सत्यदेव, 'भारतीय समाज एवं शिक्षा '।